RPF रेल रक्षक बैच

History Class - 18

सिकन्दर vs मौर्य साम्राज्य

⇒ भारत पर विदेशी आक्रमण सबसे पहले ईरानियो ने किया
Foreign invasion on India was done by Iranians first.

⇒ भारत पर सबसे पहले आक्रमण करने वाला शासक= डेरियस I st First ruler to invade India = Darius I st

वंश = हखमनी साम्राज्य
Dynasty = Hakhmani Empire

⇒ इसने गांधार, कम्बोज को जीत लिया था।
He had Conquered Gandhara, kamboj.

⇒ ईरानियों के बाद में यूनानी (सिकन्दर) का आक्रमण हुआ After the Iranians, the Greeks (Alexander) invaded.

→ गोगामाला / अरुवेला का युद्ध = 331 BC
Battle of Gogamala / Uruvela = 331 BC

डेरियस 3rd Vs सिकन्दर
Darius 3rd Vs Alexander

सिकंन्दर के आक्रमण के समय तक्षशिला का शासक= आम्भीक

⇒ पुरु (पंजाब के सिंध क्षेत्र में)
↓
राजा थे।

सिकंदर का भारतीय शासक
⇓
326BC ← पुरु Vs सिकंदर ⇒ युद्ध ⇒ झेलम नदी के किनारे
⇓
हार हो गयी।

सिकन्दर Sikandar

→ मकदूनिया (मैसोडोनिया का शासक)
Macedonian (ruler of Macedonia)

→ पिता - फिलिप Father - Philip II nd

⇒ माता – ओलम्पिया Mother Olympia

⇒ उपनाम – अलेक्जेंडर The Great Nickname – Alexander the great

⇒ भारत में 326 BC में आया। Came to India in 326 BC.

⇒ वापस 325 BC में गया। Went back to 325 BC

कुल 19 महीने सिकन्दर भारत में रहा।

सिकन्दर का भारतीय शासक से युद्ध -

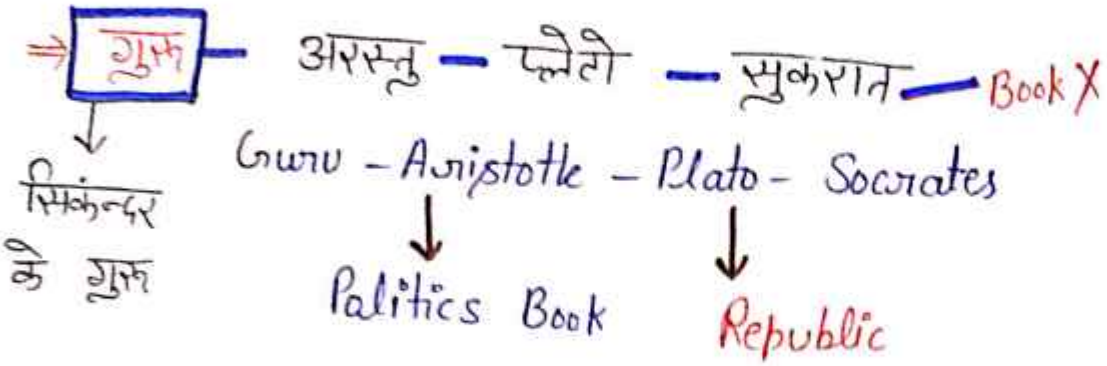
⇒ हाइडेस्पीज का युद्ध / झेलम युद्ध / वितिस्ता युद्ध
War of Hydaspes / Jhelum war / Vistasta war

326 BC / (325) BC – राजा पुरू Vs सिकन्दर।
(325 BC) – Raja Puru Te Sikandar.

⇒ सिकन्दर की पत्नी रैक्सोना थी। Alexander's wife was Raxona.

⇒ सिकन्दर की सेना ने व्यास नदी को पार करने से मना कर दिया था।

Alexander's army refused to Cross the Beas river.



सिकन्दर के साथ आए व्यक्ति –

People who Came with Alexander –

1. सैल्युकस निकेटर (थल सेनापति)
   Seleucus Nicator (Army Commander)
2. निर्याकस (जल सेनापति)
   Niraya kas (water Commanders)
3. फिलिप (प्रबन्धक)
   Philip (Manager)
4. एनासिक्रिप्स (इतिहासकार)
   Anascrips (historian)
5. अरिस्तोबुलस (इतिहासकार)
   Aristobulus (historian)

➔ सिकन्दर की पसंदीदा पुस्तक - इलियड (Writer- Homer) Alexander's favorite book - Iliad (writer- Homer)

➔ सिकन्दर के घोड़े का नाम - बऊकेफला था. (बऊकेफला निकैया नगर बसाया)
The name of Alexander's horse was Boukefja (Boukefja built the city of Nikaya).

➔ सिकन्दर की मृत्यु = 323 BC बेबीलोन (इराक) में हुई। Alexander's died = 323 BC in Bebilon (Iraq).

मौर्य साम्राज्य (322 BC - 185 BC)

⇒ संस्थापक = चन्द्रगुप्त मौर्य
Founder = Chandragupta Maurya

⇒ राजधानी = पाटलिपुत्र Capital = Pataliputra

⇒ प्रधानमंत्री = आचार्य चाणक्य
Prime Minister = Acharya Chanakya

⇒ अन्यनाम = विष्णुगुप्त, कौटिल्य, भारत के मैकियावेली
Alias - Vishnugupta, Kautilya, Machiavelli of India

पश्चिमी विचारक
Western thinker
↳ Book
The Prince

⇒ चाणक्य इनकी पुस्तक = अर्थशास्त्र His book =

⇒ राजनीतिक से सम्बन्धित पुस्तक political book

* चन्द्रगुप्त मौर्य

⇒ शासनकाल = 322 से 298 BC तक Reign = 322 to 298 BC

⇒ पत्नी = दुर्धरा wife = Durdhara

⇒ अन्यनाम = भारत का मुक्तिदाता, एन्ड्रोकोट्स, सैण्ड्रोकोटस Imp.
other names = Liberator of India Androcattes, Sandrocott
es

जस्टिन ने कहा
Justin said

एपियन व प्लुटार्क ने कहा
Appian and plutarch said

⇒ 305 BC में सेल्युकस निकेटर से युद्ध हुआ।
There was a war with Seleucus Nicator in 305 BC

⇒ इस युद्ध को हारने के बाद निकेटर ने अपनी बेटी कार्नेलिया (हेलेना) की शादी चन्द्रगुप्त मौर्य से कर दी
After losing this war, Nicator married his daughter Karnelia (Halena) to Chandragupta Maurya

⇒ और दहेज में निकेटर ने 4 प्रांत (काबुल, कांधार मकरान, हेरात) दिये।

⇒ साथ ही निकेटर ने अपना एक दूत मेगास्थनीज को चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा।

And Nicator gave 4 provinces (Kabul, Kandahar, Makran, Herat) in dowry.

⇒ मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र को पालिब्रोथा कहा है-

Magasthenes has called patalipatra as Palibotha-

⇒ की पुस्तक = 'इण्डिका'

Book of - 'Indika'

पाटलिपुत्र का प्रशासन

Administration of Patalipatra

युद्ध ⇒ (305 BC) ⇒ सेल्यूकस निकेटर Vs चन्द्रगुप्त मौर्य

War

⇓

हार जाता है।

⇒ जूनागढ़ अभिलेख = रुद्रदामन ने जारी कराया।

Junagarh inscription = issued by Rudradaman Emp.

⇒ इसी से सुदर्शनझील सौराष्ट्र (गुजरात) का वर्णन मिलता है।

From this we get the description of Sudarshan Jheel (Saurashtra (Gujarat).

⇒ इसका निर्माण चन्द्रगुप्त मौर्य के राज्यपाल पुष्यगुप्त ने कराया था।
it was built by Pushyagupta, the governar of Chandragupta Maurya.

⇒ संस्कृत में जारी पहला अभिलेख है।
This is the first inscription issued in Sanskrit.

⇒ चन्द्रगुप्त मौर्य जैन धर्म का अनुयायी था।
Chandragupta Maurya was a follower of Jainism.

⇒ उसने जैन धर्म की दीक्षा – भद्रबाहु से ली।
He took the initiation of Jainism - from Bhadrabahu.

⇒ इसके बाद ये सारा साम्राज्य बिंदुसार के हाथों में सौंपकर – श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) चले गए
After this, by handing our this entire empire to Bindusara -
went to Srivnabelagola (karnataka)

⇒ वहाँ चन्द्रगिरि की पहाड़ियों पर संलेखना व्रत द्वारा अपने प्राण दे दिये।
There; on the hills of Chandragiri he gave his life by writing a Circle.
संलेखना व्रत → जैन धर्म से सम्बंधित

बिंदुसार → पुत्र हैं चंद्रगुप्त मौर्य के